

## अमेरिकी वदिश मंत्री की भारत यात्रा

### प्रलिस के लयि:

जी-7, जी-20, क्वाड, यूएस-इंडिया क्लाइमेट एंड क्लीन एनर्जी एजेंडा

### मेन्स के लयि:

अमेरिकी वदिश मंत्री की भारत यात्रा का महत्त्व एवं लाभ

## चर्चा में क्यों?

हाल ही में अपनी भारत यात्रा के दौरान अमेरिकी वदिश मंत्री ने उल्लेख कया कि भारत और अमेरिका की संयुक्त कार्रवाई 21वीं सदी को आकार देगी।

- यह यात्रा भारत के वदिश मंत्री (EAM) की मई 2021 की अमेरिकी यात्रा का प्रतफल है।
- अमेरिकी वदिश मंत्री और भारत के वदिश मंत्री ने ब्रिटन (जी-7 बैठक में) एवं इटली (जी-20 बैठक में) में भी वसितृत बातचीत की।

## प्रमुख बडि

### प्रमुख चर्चाएँ:

- **अफगानसितान:**
  - संघर्ष का कोई सैन्य समाधान नहीं है और देश पर बलपूर्वक कब्जा करने से तालबान को अंतरराष्ट्रीय मान्यता या वैधता हासिल करने में मदद नहीं मलिंगी, जसिमें तालबान नेतृत्व के खिलाफ प्रतबिंध और यात्रा प्रतबिंध हटाना शामिल है।
    - भारत ने उल्लेख कया है कि पाकसितान शांतापूरण राजनीतिक समाधान हेतु आम सहमता स्थापति करने में अपवाद है।
  - अफगानसितान जो कि अपने लोगों के अधिकारों का सम्मान नहीं करता है और जसिने अपने लोगों के खिलाफ अत्याचार कया है, वह वैश्विक समुदाय का हसिसा नहीं होगा।
    - अफगानसितान को समावेशी और पूरी तरह से अफगान जनता का प्रतनिधि होना चाहयि।
- **भारत-प्रशांत सहयोग:**
  - दोनों स्वतंत्र, खुले, सुरक्षति और समृद्ध इंडो-पैसफिकि को लेकर व्यक्तव्य साझा करते हैं।
  - जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वाड (चतुरभुज फ्रेमवर्क) के हसिसे के रूप में इंडो-पैसफिकि में सहयोग पर प्रकाश डाला गया और स्पष्ट कया गया कि क्वाड एक सैन्य गठबंधन नहीं है।
- **कोवडि-टीकाकरण:**
  - इंडो-पैसफिकि क्षेत्र में भारत द्वारा नरिमति कोवडि-टीके उपलब्ध कराने के लयि [क्वाड](#) पहल पर चर्चा की गई।
  - अमेरिका ने भारत के वैक्सीन कार्यक्रम के लयि 25 मलियन अमेरिकी डॉलर के अनुदान की घोषणा की और उत्पादन बढ़ाने के लयि वैक्सीन आपूर्ता शृंखला को मजबूत करने का वादा कया।
- **जलवायु परविरतन:**
  - अप्रैल 2021 में शुरू कयि गए 'यूएस-इंडिया क्लाइमेट एंड क्लीन एनर्जी एजेंडा', 2030 पार्टनरशिप के तहत दोनों पक्षों का लक्ष्य एक नई जलवायु कार्रवाई की शुरुआत और वतित जुटाने के साथ-साथ संवाद एवं रणनीतिक स्वच्छ ऊर्जा साझेदारी को फरि से शुरू करना है।

### अमेरिका का नज़रयि:

- भारत-अमेरिका संबंधों को वशिव के सबसे महत्त्वपूर्ण साझेदारियों में से एक माना जाता है।
- दोनों देश लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रतप्रतबिद्धता को साझा करते हैं जो इनके संबंधों के आधार का हसिसा है और भारत के बहुलवादी समाज तथा सद्भाव के इतहिस को दर्शाता है।
  - दोनों मानवीय गरमा, अवसर की समानता, कानून के शासन, मौलिक स्वतंत्रता, जसिमें धर्म और वशिवास की स्वतंत्रता शामिल है, में वशिवास करते हैं।

- दोनों देशों के लोगों को बोलने का अधिकार दिया गया है जिससे लोग अपनी बात उठा सकते हैं, इसके साथ ही दोनों देशों की सरकारें अपने सभी नागरिकों के साथ एक समान व्यवहार करती हैं।
- समग्र संबंधों के कुछ प्रमुख स्तंभों के रूप में व्यापार सहयोग, शैक्षिक जुड़ाव, धार्मिक और आध्यात्मिक संबंधों तथा लाखों परिवारों के बीच संबंधों को उद्धृत किया गया है।
- लोकतंत्र और अंतरराष्ट्रीय स्वतंत्रता के लिये बढ़ते वैश्विक खतरों के उल्लेख के साथ ही लोकतांत्रिक मंदी (चीन में मानवाधिकारों के मुद्दे) के बारे में बात की गई, यह देखते हुए कि भारत तथा अमेरिका हेतु इन आदर्शों के समर्थन में एक साथ खड़े रहना महत्त्वपूर्ण है।
- अंतरधार्मिक संबंध, मीडिया स्वतंत्रता, किसानों का वरीध, लव जहाद हिसा और अल्पसंख्यक अधिकार आदि उस चर्चा का हिस्सा थे जो अमेरिकी वदेश मंत्री ने दलाई लामा के एक प्रतिनिधिसहित लोगों के एक समूह के साथ की थी।

### भारत का नज़रिया:

- भारत-अमेरिका द्विपक्षीय संबंध एक ऐसे स्तर तक बढ़े हैं जो दोनों देशों को बड़े मुद्दों पर सहयोगात्मक रूप से नपिटने में सक्षम बनाता है।
- भारत, भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी को मज़बूत करने के लिये अमेरिकी प्रतिबद्धता का स्वागत करता है जो साझा लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित है।
- इसने कई बटुओं के साथ मुद्दों पर अमेरिकी चिंताओं का जवाब दिया, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि एक अधिक परिपूर्ण लोकतंत्र की तलाश अमेरिका और भारत दोनों पर लागू होती है।
- पछिले कुछ वर्षों की भारत की नीतियाँ ऐतिहासिक रूप से की गई गलतियों को ठीक करने की रही हैं, लेकिन इनकी तुलना शासन की कमी से नहीं की जानी चाहिये।

## भारत-अमेरिका संबंधों की वर्तमान स्थिति:

### रक्षा:

- भारत और अमेरिका के मध्य पछिले कुछ वर्षों में महत्त्वपूर्ण रक्षा समझौते संपन्न हुए हैं तथा क्वाड (QUAD) के चार देशों के गठबंधन को भी औपचारिक रूप दिया गया है।
  - इस गठबंधन को हृदि-प्रशांत में चीन के एक महत्त्वपूर्ण प्रतिस्पर्धी के रूप में देखा जा रहा है।
- नवंबर 2020 में **मालाबार अभ्यास** (Malabar Exercise) ने भारत-अमेरिका रणनीतिक संबंधों में एक उच्च बटु को चिह्नित किया है, यह 13 वर्षों में पहली बार था कि क्वाड के सभी चार देश चीन को एक मज़बूत संदेश देते हुए एक साथ आए।
- भारत के पास अब अफ्रीका के **जिबूती** (Djibouti) से लेकर प्रशांत महासागर में गुआम जैसे अमेरिकी ठिकानों तक पहुँच है। यह अमेरिकी रक्षा में उपयोग की जाने वाली उन्नत संचार तकनीक तक भी पहुँच सकता है।
- भारत और अमेरिका के बीच चार मूलभूत रक्षा समझौते हैं:
  - **भू-स्थानिक खुफिया के लिये बुनियादी वनिमिय और सहयोग समझौता** (BECA)
  - सैन्य सूचना समझौते के तहत सामान्य सुरक्षा (GSOMIA)
  - लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट (LEMOA)
  - **संचार संगतता और सुरक्षा समझौता** (COMCASA)

### व्यापार:

- **पछिली अमेरिकी सरकार ने भारत की विशेष व्यापार स्थिति** (India's Special Trade Status- GSP withdrawal) को समाप्त कर दिया और कई प्रतिबंध भी लगाए, भारत ने भी 28 अमेरिकी उत्पादों पर प्रतिबंध के साथ जवाबी कार्रवाई की।
- वर्तमान अमेरिकी सरकार ने पछिली सरकार द्वारा लगाए गए सभी प्रतिबंधों को समाप्त करने की अनुमति दी है।

### भारतीय डायस्पोरा:

- अमेरिका में सभी क्षेत्रों में भारतीय डायस्पोरा की उपस्थिति बढ़ रही है। उदाहरण के लिये अमेरिका की वर्तमान उप-राष्ट्रपति (कमला हैरिस) का भारत से गहरा संबंध है।
- वर्तमान अमेरिकी प्रशासन में कई भारतीय मूल के लोग मज़बूत नेतृत्वकारी पदों पर हैं।

### कोवडि-सहयोग:

- पछिले वर्ष जब अमेरिका घातक **कोवडि** लहर की चपेट में था तो भारत ने महत्त्वपूर्ण चिकित्सा आपूर्ति उपलब्ध कराई और देश की मदद के लिये नरियात प्रतिबंधों में ढील दी थी।
- शुरू में अमेरिका ने भारत को ज़रूरत के समय समर्थन देने में झिझक दिखाई थी लेकिन जल्दी ही अमेरिका ने अपना रुख बदल लिया और भारत को आपूर्ति पहुँचा दी।

## आगे की राह

- वशिष रूप से दोनों देशों में चीन वसिधी भावना बढने के कारण देशों के बीच द्वपिक्षीय व्यापार को बढावा देने की बहुत अधकि संभावना है ।
- इस प्रकार वारता में वभिन्न गैर-टैरफि बाधाओं के समाधान और अन्य बाजार पहुँच सुधारों पर यथाशीघ्र ध्यान केंद्रति करना चाहयि ।
- समुद्री क्षेत्र में चीन का मुकाबला करने के लयि भारत को हदि-प्रशांत क्षेत्र में अमेरकिा और अन्य भागीदारों के साथ पूरी तरह से जुड़ने की आवश्यकता है, ताकि नेवगिशन की स्वतंत्रता व नयिम-आधारति व्यवस्था को संरक्षति कयिा जा सके ।
- अंतरराष्टरीय राजनीता में न कोई स्थायी मतिर होता है और न ही कोई स्थायी शतु, केवल स्थायी हति होते हैं । ऐसे में भारत को रणनीतकि हेजगि की अपनी वदिश नीता को जारी रखना चाहयि ।

**स्रोत: द हद्रि**

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/us-secretary-of-state-s-visit-to-india>

